

१३अक्टूबर २०२३; भोपाल

आज भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल, के सांस्कृतिक उत्सव (NIMMACK)का दूसरा दिन था।

क्योंकि सांस्कृतिक उत्सव हमारी सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत करने का एक माध्यम है इसलिए सभी विद्यार्थियों ने इसका खुले दिल से स्वागत किया।

सभी विद्यार्थियों ने बहुत उत्साहपूर्ण तरीके से कार्यक्रम का आयोजन किया था सांस्कृतिक महोत्सव के इस उत्कृष्ट आयोजन ने सभी को मनोरंजन और जीवन की महत्वपूर्ण सीख भी प्रदान की।

NIMMACK की दिनांक १३अक्टूबर २०२३ की कुछ प्रस्तुति इस प्रकार हैं।
इन्सपाइर क्लब के द्वारा अनोखी प्रस्तुति

प्रातः 10:00 बजे कॉलेज के इन्सपाइर क्लब ने टेक वेदा विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के शुरू होते ही सिविल ऑडिटोरियम में बच्चे एकत्रित होने लगे। बच्चों की उपस्थिति से ये साफ़ देखा जा सकता था की वो उस विषय के बारे में जानने के लिए बहुत उत्सुक थे। कार्यक्रम का आरंभ प्रथम वर्ष के छात्र कृष्णा गुप्ता के दिलचस्प एवं अनोखी प्रस्तुति से हुआ। उन्होंने वैदिक युग के कुछ रहस्यमयी तथ्यों को प्रस्तुत किया, जिससे छात्रों को बहुत सारी अनोखी बातें पता चली।

उसके पश्चात द्वितीय (सेकंड) वर्ष के छात्रों द्वारा फिल्म मुन्ना भाई एमबीबीएस के मुख्य किरदार मुन्ना और सर्किट के एक हास्य वार्तालाप के जरिये जीवन में एक गुरु का और सही मार्गदर्शन देने का महातव बताया गया। बच्चों को उस व्यंग्य रचना को देख कर बहुत आनंद की अनुभूति हुई और जीवन में सभी ने एक गुरु के महत्व को भी समझा।

उसके बाद प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा एक नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति की गयी जिसका शीर्षक था पापा कहता है बेटा बड़ा नाम करेगा। यह नाटक छात्रों को बहुत जायदा ही भावनात्मक प्रस्तुति लगी। बहुत से छात्रों ने इसे अपने जीवन के वास्तविकता के साथ जोड़ कर देखा। उस नाट्य प्रस्तुति ने छात्रों को ये सोचने के लिए मजबूर किया की जिंदगी में अगर वह

मेहनत के रास्ता नहीं अपनाएँगे तो वो लोग अपने माता पिता को ही सबसे जायदा कष्ट पाहुँचएँगे।

उसके बाद प्रथम वर्ष के छात्र अरुण कुमार ने छात्रों को अपने जीवन में अब तक श्रीमद्भगवत गीता से सीखे हुए कुछ पल साझा ,किए उन्होंने बताया की किस प्रकार भगवत गीता का हर एक श्लोक हमारे दैनिक जीवन को दर्शाता है और सभी छात्रों से अनुरोध किया की वो लोग प्रतिदिन भगवत गीता का एक श्लोक प्रतिदिन पढ़े और उसका अर्थ सार्थक रूप से समझकर अपने जीवन के दैनिक मूल्यों में उसका आध्यान करें।

उसके बाद कॉलेज की प्रोफेसर डॉ. दीपा शर्मा एवं डॉ. शलिनी स्टेलिन ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मिस्टर सुमन दास {स्नातक एवं परा-स्नातक (आइआइ टी मद्रास)} का फूलों के गुलदस्ते देकर उनका अभिवादन किया। उसके उपरांत उन्होंने छात्रों के ऐसे बहुतसारे अनोखे तथ्योंको साझा किया जो बहुत से छात्रों ने न कभी सुने थे और न ही कभी सोचे थे। उनके तथ्यों को सुनकर सभी को हमारे वैदिक ज्ञान के ऊपर बहुत गर्व महसूस हुआ। उन्होंने छात्रोंको उन सभी खोज का श्रोत हमारे वेदों में बताया जो वैज्ञानिक २१ सदी में आकार साबित भी नहीं कर पाये है जो हमारे ऋषि मुनियों में सेकड़ों वर्ष पूर्व ही संशोधन कर लिया था। सभी विद्यार्थियों को वो ताध्य रोमांचकारी लगे। परंतु समय की कमी के कारण कार्यक्रम के समय समाप्त की अवधि भी निकट आ रही थी इसलिए सुमन सर ने अपनी वाणीको विराम दिया।

उसके बाद पोस्टर मेकिंग कॉम्पटिशन में चयनित छात्रों को प्रोफेसर डॉ. दीपा शर्मा , डॉ. शलिनी स्टेलिन, मिस्टर सुमन दास ने मेडल पहनकर ,ट्रॉफी एवं श्रीमद्भगवत गीता देकर पुरस्कारित किया। इसी के साथ ही कार्यक्रम का शुभ समापन मध्यमकाल 12:30 पर हुआ।

टेजर हंट

कार्यक्रम में ट्रेजर हंट जैसे ऊर्जा भरने वाले खेल का आयोजन भी किया गया था !उत्सव प्रबंधन टीम द्वारा. ठीक दोपहर 1 बजे ट्रेजर हंट का आयोजन किया गया था !सभी टीम के लीडर को ट्रेजर हंट के नियमों और मार्गनिर्देशों के बारे में सूचित किया गया था इस खेल में प्रतिभागियों को पहेली को हल करकर कॉलेज परिसर में उसस स्थान को खोजना था जिसे पहेली में वर्णन किया गया था

इस खेल को खेलने के लिए प्रतिभागियों के बीच ऊर्जा अतुलनीय थी । इस खेल में प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने सराहनीय उत्साह और असीम ऊर्जा के साथ भाग लिया ।

खेल को लगभग 8 राउंड में विभाजित किया गया था! पहला राउंड पूरी तरह से टीम लीड द्वारा खेला जाना था । और उसके पश्चात टीम के 04 प्रतिभागियों को हिस्सा लेना था । पहेली में वर्णित जगह को खोज कर उनको वहा पर क्यूआर कोड को स्कैन करना था ऐसा करने पर ही उनको आगे की पहेली दी जाती थी, दोपहर 2 बजे की धूप में दौड़ने और पहेली सुलझाने के दौरान प्रतिभागियों की ऊर्जा एवं उल्लास अद्भुत था ।

कुछ टीमों तीसरे राउंड के बाद एलिमिनेट होने लगीं, फिर भी ऐसी टीमों थीं जिन्होंने इसे अंत तक बनाया । कुल मिलाकर प्रबंधन द्वारा उत्कृष्ट टीम वर्क और प्रतिभागियों द्वारा निष्पक्ष खेल देखने लायक था ।

इस खेल के माध्यम से छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए उनके बीच टीम वर्क की भावना एवं समस्या समाधान कौशल विकसित करना कॉलेज द्वारा एक अच्छी पहल थी। हालांकि विजेताओं की घोषणा होना अभी बाकी है(sir no idea about winners pls add here)प्रतियोगिता के अंत में, सभी समस्याओं का समाधान करने वाले टीमों को सम्मानित किया गया। उन्हें उपहारों से नवाजा गया ।

जीडीएससी, आईआईआईटी भोपाल द्वारा एक तकनीकी कार्यशाला का आयोजन किया गया

कॉलेज के पहले तकनीकी-सांस्कृतिक उत्सव, NIIMACK के सभी कार्यक्रमों और समारोहों के बीच, एक दिलचस्प और जानकारीपूर्ण प्रश्नोत्तरी की कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

यह दोपहर 3 बजे सिविल ऑडिटोरियम मैनिट भोपाल में आयोजित हुआ। पहला भाग वरिष्ठों द्वारा एक प्रश्नोत्तरी था जो छात्रों के बीच एक ज्ञान परीक्षण था। प्रश्न सामान्य ज्ञान से संबंधित जानकारीपूर्ण थे। प्रतिभागियों द्वारा दिखाया गया उत्साह सराहनीय था। क्विज़ में भाग लेने वाले सभी बुद्धिमानों में से 10 विजेताओं की घोषणा की गई जिन्हें एक टीम बनाकर आगे के राउंड खेलने के लिए कहा गया।

फिर दूसरा भाग जो वेब डेवलपमेंट और ऐप डेवलपमेंट पर एक कार्यशाला थी, जिसका नाम *देव इनसाइट्स* था!

मेजबान जीडीजी भोपाल के आयोजक आदित्य शाह ने छात्रों को वर्तमान समय में प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वेब विकास के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि वेबसाइट वास्तव में कैसे काम करती है? किसी वेबसाइट को चलाने में फ्रंटएंड, बैकएंड आदि सहित कौन सी चीजें शामिल होती हैं। उन्होंने छात्रों को वर्डप्रेस और वर्डप्रेस की कार्यप्रणाली से भी परिचित कराया। कार्यशाला में छात्रों की भागीदारी देखकर मेजबान स्वयं आश्चर्यचकित रह गये! उन्होंने विद्यार्थियों की सभी शंकाओं का धैर्यपूर्वक समाधान किया तथा सभी प्रश्नों का समाधान किया। कुल मिलाकर यह प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में गहराई से उतरने के लिए ज्ञान से भरा एक संपूर्ण पैकेज था।

उसके बाद, संबंधित जीएसडीसी नेतृत्व ने प्रौद्योगिकी से संबंधित कुछ प्रश्न पूछे और प्रतिभागियों के साथ कुछ सत्र भी पूछे। यह छात्रों के साथ बातचीत करने का एक बहुत अच्छा तरीका था।

प्रतिभागियों ने भी इन सवालों और सत्रों में गहरी दिलचस्पी दिखाई। उनमें उत्साह देखने लायक था। प्रतिभागियों के ज्ञान और भावना को देखकर नेता और वरिष्ठ आश्चर्यचकित रह गए।

विशेष रूप से वे प्रतिभागी जो अपने पहले सेमेस्टर में ही हैं और जिस ज्ञान और आत्मविश्वास के साथ वे उत्तर दे रहे थे वह उत्कृष्ट था।

कार्यक्रम को समाप्त करने से पहले, संबंधित प्रमुखों ने उन लोगों को कुछ स्टिकर और उपहार वितरित किए जिन्होंने सवालों के जवाब दिए और अपनी भागीदारी दिखाई!

इस कार्यक्रम में लगभग 250 से अधिक छात्र भाग ले रहे थे।

।आयोजन के अंत तक उन्हें जो ज्ञान मिला उससे वे सभी खुश और संतुष्ट थे।

डीजे नाइट

शाम 6:00 बजे छात्रों के बीच में एक अनोखी उमंग, अद्भुत एवं अविस्मरणीय दृश्य देखा जा सकता था। क्योंकि जिस पल का सब बेसबरी से इंतज़ार कर रहे थे वो बहुत निकट था। सभी छात्र दिल थाम के अपने साथियों एवं सेनीओर्स की नृत्य एवं संगीत कला का प्रदर्शन देखने के लिए उत्सुक थे।

6:00 बजते ही कार्यक्रम का शुभारंभ एलआरसी ग्राउंड में थर्ड इयर की छात्रा हर्षिता एवं सेकंड इयर के छात्र गोविंद तेलंग द्वारा किया गया। छात्रों में एक अनोखी अभिलाषा और उत्सुकता को देख कर आयोजकर्ताओं का मनोबल बहुत बढ़ा दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ गायकी प्रदर्शन से किया गया।

गायन प्रदर्शन में छात्रों ने विभिन्न भाषाओं और शैलियों में गाने प्रस्तुत किए। इसमें भारतीय क्लासिकल संगीत से लेकर पॉप, बॉलीवुड और विश्व संगीत तक का समृद्ध स्तर देखा गया।

कार्यक्रम में कुछ छात्रों की गायन में उत्कृष्टता का प्रदर्शन हुआ। छात्रों ने अपनी अद्वितीय ध्वनि और संगीतीय शैली के साथ दर्शकों को प्रभावित किया।

गायन और संगीत की विविधता: इस कार्यक्रम में छात्रों ने विभिन्न विषयों और भावनाओं को छूने वाले गीतों का चयन किया गया था। कार्यक्रम के दौरान तालियों की गड़गड़ाहट सभी जगह सुनी जा सकती थी, इससे प्रदर्शन कर्ताओं को बहुत मनोबल मिला।

प्रदर्शन के माध्यम से, सभी छात्रों को संगीत की श्रेष्ठता में भागीदार बनाने का एक शानदार मौका दिया। यह कार्यक्रम ने संगीत की भूमिका को महत्वपूर्णता देने का कारगर तरीका साबित हुआ। इसके साथ ही, यह एक सामूहिक और सांस्कृतिक अनुभव का समर्थन करता है जो कॉलेज के सांस्कृतिक माहौल को और भी गहरा बना देता है। गायन कला के प्रदर्शन के बाद नृत्य कला का प्रदर्शन किया गया।

नृत्य कला का उद्दीपन बॉलीवुड, भारतीय लोकनृत्य, और विभिन्न आधुनिक नृत्य शैलियों में हुआ था। यह कार्यक्रम विभिन्न नृत्य प्रदर्शनों से भरपूर था। आधुनिक और लोकनृत्य: कार्यक्रम में आधुनिक और लोकनृत्य का संगम होने से कार्यक्रम और भी विशेष बन गया था। एक ओर जहां आधुनिक नृत्य में छात्र ने शैलीशील प्रस्तुतियों से दर्शकों को आश्चर्यचकित किया, वहीं दूसरी ओर लोकनृत्य में भी उत्कृष्टता का

प्रदर्शन किया। इस नृत्य कार्यक्रम ने छात्रों को नृत्य कला के प्रति उत्साहित किया और उन्हें एक नए स्तर पर ले जाने का एक अद्वितीय अवसर प्रदान किया। सभी छात्रों ने प्रदर्शन कर्ताओं की खुशी और ऊर्जा को बढ़ावा दिया और इसे एक यादगार रात बना दिया।

रात्री का अंत डीजे से हुआ। डीजे में स्वेयट्रेक्स (स्वतेज अग्रवाल) जी को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने बहुत कॉलेज में म्यूज़िकल एवं डीजे नाइट का आयोजन किया है। डीजे के कारण सभी छात्रों को एक साथ मिलाकर नृत्य और मस्ती का समय गुजारने का अवसर प्रदान हुआ। डीजे ने विभिन्न भाषाओं और शैलियों के साथ मिक्स किए जा रहे सॉंग्स से लेकर, बॉलीवुड, पॉप, रॉक और इलेक्ट्रॉनिक संगीत तक का सब कुछ प्रस्तुत किया। सभी छात्रों ने अपने-अपने दोस्तों के साथ नृत्य करना शुरू किया।

छात्रों का उत्साह देखकर लगा कि वे सिर्फ नृत्य ही नहीं कर रहे थे बल्कि वे अपनी रंगीन और स्वतंत्र भावनाओं को भी व्यक्त कर रहे थे। सभी क्षण एक अद्वितीय माहौल में गुजरे, जहां साथी छात्र एक-दूसरे के साथ जुड़े रहे। डीजे नाइट ने छात्रों को अद्भुत सामूहिक अनुभव प्रदान किया। यह एक ऐसा मौका था जहां सभी नए दोस्त बना रहे थे और साथ में मनोहर लम्हों को साझा कर सकते थे।

डीजे नाइट ने छात्रों को आत्मविश्वास और सामूहिकता की भावना से भरे रखा। इस रात के माध्यम से, हमने नए दोस्तों को पाने का अवसर प्राप्त किया और कॉलेज के आत्मविकास में एक छोटी सी कड़ी जोड़ी।

डीजे नाइट का आयोजन कॉलेज के छात्रों के बीच सामूहिक एकता और मनोहरता को बढ़ावा देने के लिए सफल रहा । कॉलेज डीजे रात्रि ने विद्यार्थियों को आत्म-विकास और मनोबल में सुधार करने का एक बड़ा अवसर प्रदान किया। इस आयोजन ने विभिन्न शैलियों के संगीत को एक साथ मिलाकर एक जादुई रात बना दी और सभी ने इसे हर्षोल्लास से स्वीकार किया। यह कॉलेज डीजे रात्रि ने एक सफल और यादगार आयोजन के रूप में अपनी जगह बना ली है।

अंत में सभी छात्रों ने अपना अपना पसंदीदा नसता खरीद कर उसका लुप्त उठाया ।